Department of Hindi
Gujarat University

M.Phil Course Structure

Semester-1

Course	Content	Credits/Hrs	External	Total Marks
Paper-1	Research Methodology शोध-प्रविधि Computer Skill संगणक कौशल Research-Project शोध-परियोजना	4*15 hrs.	60 hrs	75
Paper-2	Recent Advances in the subject Contemporary Hindi Literature: Thought & Creativity आधुनिक हिन्दी साहित्य: वैचारिकता एवं सर्जनात्मकता	4*15 hrs	60 hrs	75
	Total for Semester-1	8 credits	120 hrs	150 Marks

Semester-2

Paper-3- A Elective Subjects	Translation Studies अनुवाद-अध्ययन	4*15	60hrs	75
Paper-3- B Elective Subjects	Indian Theatre भारतीय रंगमंच			
		4*15	60hrs	75
Paper-4 Practical /Projects/ Experiments / field work& Seminar	Hindi Literature: Review & Seminar हिन्दी साहित्य-समीक्षा एवं सेमीनार -			
		4*15	60hrs	75
	Total for Semester-2	8 Credits	120hrs	150 Marks
Dissertation		8*15 Credits	120hrs	100*
Total Credits & hrs for the course		24*4	360 hrs	300+100 = 400 Marks

***Out of 100 --- 80 marks are for Dissertation & 20 for Viva Voce.**

M.Phil Hindi Syllabus
Semester-1

Paper-1 (Core)

शोध-प्रविधि (Research Methodology) (45 अंक)

A-शोध एवं उसकी प्रकृति, शोध एवं समीक्षा, शोध के मूलभूत सिद्धांत, शोध के प्रकार, विषय का चुनाव, शोध-प्रारूप, सामग्री संचयन, शोध के विभिन्न स्रोत- पुस्तकें, शोध-पत्रिकाएं, पांडुलिपियाँ, साक्षात्कार, शोध में अन्तर्जाल एवं कंप्यूटर का उपयोग,ई-पत्रिकाएं, सामग्री का वर्गीकरण, अध्याय में विभाजन, उप-शीर्षक, संदर्भ एवं पाद-टीप की विभिन्न पद्धतियां, शोध में विश्वसनीयता-ऐतिहासिक तथ्यों की महत्ता, साहित्य के समाजशास्त्रीय अध्ययन के मापदंड, पाठ-अध्ययन(टैक्स्ट स्टडी) के तत्व- भाषा वैज्ञानिक अध्ययन।

B- संगणक कौशल (15 अंक)

पी.पी.टी, एक्सेल, ब्लॉग-निर्माण आदि का साहित्यिक शोध के क्षेत्र में प्रायोगिक ज्ञान।

C- शोध-परियोजना (15 अंक)

विभिन्न शोध-संस्थाओं की बृहद् एवं लघु शोध-परियोजनाओं का महत्व एवं उनकी प्रक्रिया संबंधी जानकारी।

संदर्भ पुस्तकें22

1-अनुसंधान- डॉ सत्येन्द्र
2-शोध-प्रविधि- डॉ विनयमोहन शर्मा
3-शोध-प्रविधि और प्रक्रिया- चंद्रभान रावत एवं रामकुमार खंडेलवाल
4-शोध-संदर्भ- अंक-1 एवं 2 सं- गिरिजा शरण अग्रवाल, मीना अग्रवाल
5-शोध-संदर्भ- नए आयाम जमीला अली ज़ाफ़री
6-शोध-साधना- कुमार चंद्रप्रकाश सिंह
7-शोध सारावली- रामप्रसाद वेदालंकार
8-शोध प्रक्रिया एवं विवरणिका- सरनाम सिंह शर्मा
9-शोध-पथ- सं- एन रामन नायर
10-शोध-स्वरूप एवं मानक कार्यविधि- बैजनाथ सिंघल

11- साहित्यिक अनुसंधान के आयाम- डॉ. रवीन्द्रकुमार जैन

12- ए हैंडबुक ऑफ़ टूल्स ऑफ़ लिटररी रिसर्च- सं- साइमन इलीयट एवं डब्ल्यू.आर अवन्स

Paper-2
Recent Advances in the subject

आधुनिक हिन्दी साहित्य: वैचारिकता एवं सर्जनात्मकता (अन्तर्विद्याकीय अध्ययन)
Contemporary Hindi Literature: Thought & Creativity (Interdisciplinary)

A

1. साहित्य एवं दर्शन
2. साहित्य एवं मनोविज्ञान
3. साहित्य एवं समाज-शास्त्र

B

1. साहित्य एवं आधुनिकता
2. साहित्य एवं समकालीनता
3. साहित्य एवं उत्तर-आधुनिकता

(उपरोक्त सभी की हिन्दी कविता, नाटक, कहानी उपन्यास एवं आलोचना आदि के संदर्भ में चर्चा करना)

<u>संदर्भ ग्रंथ</u>

1-आधुनिकता एवं आधुनिकीकरण - रमेश कुंतल मेध
2-अथातो सौन्दर्य जिज्ञासा - रमेश कुंतल मेघ
3-साहित्य का स्वभाव - नंदकिशोर आचार्य
4-वाद विवाद संवाद - नामवर सिंह
5-स्रोत और सेतु - स. ही वात्स्यायन
6-संस्कृति की उत्तर कथा - शंभूनाथ
7-दुःसमय में साहित्य - शंभूनाथ
8-कविता का प्रति संसार - निर्मला जैन
9-नई कहानीः संदर्भ और प्रकृति - देवीशंकर अवस्थी
10-हिन्दी उपन्यास : पहचान और परख - नरेन्द्र मोहन
11-आलोचना का लोकतत्व - के पी सिंह
12-साहित्य और मानवीय मूल्य - धर्मवीर भारती

13-आधुनिक हिन्दी साहित्य की प्रवृत्तियाँ - नामवर सिंह
14-हिन्दी साहित्य- संवेदना का विकास - रामस्वरूप चतुर्वेदी
15-द्वितीय महायुद्धोत्तर हिन्दी साहित्य - लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय
16-साहित्य का समाज शास्त्र - मैनेजर पांडेय
17-साहित्य-सिद्धांत - रेने वैलेक

Semester-2

Paper-3
Elective Subjects
वैकल्पिक विषय

A- अनुवाद अध्ययन (Translation Studies)

अ-अनुवाद का इतिहास, वर्तमान एवं महत्व

आ-अनुवाद के विभिन्न क्षेत्र एवं आयाम
1..1. रूपांतर, माध्यम अनुवाद, पुनर्रचना

2.1.मध्यकालीन बोध एवं अनुवाद
उत्तर आधुनिकता एवं अनुवाद-दृष्टि
अनुवाद एवं सर्जनात्मकता
अनुवाद – ज्ञान का माध्यम एवं विस्तरण
अनुवाद एवं बाज़ार
अनुवाद एवं संस्कृति- (भाषा एवं संवेदना की दृष्टि से)

इ-भारतीय भाषाओं में अनुवाद कार्य एवं अनुवाद की समस्याएं
1.1.साहित्यिक अनुवाद की समस्याएं
2.1.साहित्येतर अनुवाद की समस्या
3.1.विशिष्ट अनुवाद

ई-अनुवाद – सहसंबंधत्व की भूमिका
तुलनात्मक साहित्य एवं अनुवाद
भारतीय साहित्य एवं अनुवाद

1. संदर्भ पुस्तकें

2. अनुवाद विज्ञान- सिद्धांत और अनुप्रयेग- सं डॉ नगेन्द्र, हिन्दी अध्ययन कार्यान्वयन निदेशालय, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली
3. अनुवाद विज्ञान भोलानाथ तिवारी, शब्दकार, दिल्ली
4. अनुवाद के सिद्धांत- समस्याएं और समाधान, साचमुल्लु रामचंद्र रेड्डी,साहित्य अकादमी नयी दिल्ली
5. अनुवाद सैद्धांतिकी, प्रदीप सक्सेना, आधार प्रकाशन, पंचकूला
6. अनुवाद कला, डॉ एन ई विश्वनाथ एय्यर,प्रभात प्रकाशन, दिल्ली
7. अनुवाद सिद्धांत एवं प्रयोग, जी गोपीनाथ, लोकभारती इलाहाबाद
8. अनुवाद सिद्धांत एवं समस्याएं, रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव, कृष्ण कुमार गोस्वामी, आलेख प्रकाशन दिल्ली
9. अनुवाद सिद्धांत की रूपरेखा, सुरेश कुमार, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
10. अनुवाद और रचना का उत्तर जीवन, रमण सिन्हा, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
11. अनुवाद का भाषिक सिद्धांत, कैटफोड, मध्य प्रदेश हिन्दी ग्रंथ अकादमी , भोपाल

12. Essay on the Principles of Translation – Alexander Frazer Tytler, Neill & Co.Edinburg, U.K. 1970
13. Towards the Sciences of Translating – Eugen A. Nida, E. J. Brill, Leiden, 1964
14. Linguistic Theory of Translation – J. C. Catford, OUP, London, 1965
15. After Babel : Aspects of Language & Translation – George Steiner, OUP, New York & London, 1975
16. Approaches to Translation – Peter Newmark, 1981
17. Translation as Discovery – Sujit Mukherjee, Orient Longman, Hyderabad, 1994
18. Siting Translation – Tejaswini Niranjana, Orient Longman, Hyderabad
19. The Art of Translation – Theodore Savory, Jonahan Cape, London, 1957
20. Contemporary Translation Teories – Edwin Gentzler, Routledge, London
21. The True Interpreter : A History of Translation Theory and Practice in the West –L. G. Kelly, Blackwell, Oxford, 1978
22. Dryden and the Art of Translation – William Frost, Yale University Press, New Hawen, 1955
23. Theories of Translation : An Anthology of Essay from Dryden to Derrida – (ed) Rainer Shelte & Johan Biquent, The Univ. of Chicago Press, 1992
24. Illuninations (Article – The Task of the Translator) – Walter Benjamin, Fontana,

B- भारतीय रंगमंच (Indian Theatre)

अ-भारतीय रंगमंच के स्रोत

- संस्कृत नाटक, लोक-रंगमंच, पश्चिमी रंगमंच

आ-प्रयोगशील रंगमंच

- भारतीय भाषाओं में 70 के बाद के विशिष्ट नाटककार- मोहन राकेश, विजय तेंडुलकर, गिरीश कार्नाड, बादल सरकार, हबीब तनवीर आदि

इ- समकालीन भारतीय रंगमंच और जनचेतना

- सामाजिक सुधार, थियेटर ऑफ ऑप्रेस्ड, नुक्कड नाटक
- राजनीतिक जागृति- विचारधारा और रंगमंच

ई- समकालीन रंगमंच- विविध दिशाएं

- नाट्यानुवाद की प्रवृति , नाट्यरूपांतरण, वन मैन/ वुमन प्ले

संदर्भ पुस्तकें

1. रंग-दर्शन- नेमीचंद्र जैन
2. रंगमंच - बलवंत गार्गी
3. भारतीय एवं पाश्चात्य रंगमंच- सीताराम चतुर्वेदी
4. भरत और भारतीय नाट्यशास्त्र - सुरेन्द्रनाथ दीक्षित
5. मीडिया एंड मॉडर्निटी- जॉन बी थॉमसन (पॉलिटी प्रेस)
6. पारम्परिक नाट्य जगदीशचंद्र माथुर, नेश्नल नाट्य विद्यालय

Paper-4

Practical /Projects/ Experiments / field work& Seminar

अ-हिन्दी साहित्य: समीक्षा एवं सेमीनार (25अंक)

- इस प्रश्नपत्र में विद्यार्थी से यह अपेक्षित है कि वह हिन्दी साहित्य के किसी भी एक काल से एक कृति का चयन करे तथा उसकी समीक्षा करे।(800-1000 शब्द)
- साथ ही सन् 2000 के बाद की किसी एक नई कृति की पुस्तक समीक्षा करे।(500-1000 शब्द)

- उसे अपने प्रश्नपत्र में कम-से-कम एक सेमीनार देना होगा। यह सेमीनार चाहे वह विभाग में दें अथवा किसी अन्य स्थान पर। अन्य स्थान पर दिया हुआ सेमीनार प्रमाण-पत्र से स्वीकृत होगा। (2000-3000 शब्द)

आ- फील्ड-वर्क (25अंक)

- विद्यार्थी को हिन्दी भाषा-साहित्य से संबंधित फील्ड वर्क करना होगा। इसमें छात्र से अपेक्षित है कि वह किसी साहित्यिक समस्या को ले कर फील्ड वर्क करे। समस्या के परिणामों को कंप्यटरिकृत रूप में प्रस्तुत करे।

इ- प्रोजेक्ट (25 अंक)

- एक शोध परियोजना की प्रस्तुति **अथवा** किसी भी साहित्यिक समस्या पर एक प्रोजेक्ट (विषय -- विचारधारा, भाषा, सौन्दर्य की विभिन्न अवधारणाएं, पत्रिकाओं के विशेषांक, हिन्दी साहित्य की विभिन्न संस्थाएं, किसी रचनाकार/विद्वान का साक्षात्कार (साक्षात्कार हिन्दी भाषा साहित्य, अथवा समकालीन राष्ट्रीय एवं सामाजिक मुद्दों पर भी हो सकता है।) एक्सेल अथवा पी.पी.टी आदि)

लघु-शोध-प्रबंध

विद्यार्थी के लिए अपेक्षित होगा कि वह अपना लघु-शोध-प्रबंध 100 (कंप्यूटरीकृत) पृष्ठों का होना चाहिए। लघु-शोध प्रबंध की प्रस्तुति गुजरात युनिवर्सिटी के एम.फिल ऑर्डिनेंस के अन्तर्गत दिए गए निर्देशों के अनुसार होगी। लघु-शोध-प्रबंध द्वितीय सेमिस्टर के अंत तक प्रस्तुत करना होगा।

EXAMINATION STRUCTURE FOR M.PHIL EXAMINATION

- Questions in all the Papers will be essentially Essay Type.
- Normally 5 questions each of 15 marks or 3 questions each of 25 marks will be asked.
- Papers which have special pattern like paper-4 the division of marks may differ but the total should be 75

एम.फिल सेमिस्टर परीक्षा पद्धति

प्रश्नपत्र-1

परीक्षा में प्रथम भाग से तीन , दूसरे एवं तीसरे भाग से एक-एक प्रश्न 15 अंकों का पूछा जाएगा। इसमें टिप्पणी अथवा वस्तुगत प्रश्न नहीं पूछे जाएंगे।

प्रश्नपत्र-2

परीक्षा में 15 अंक के कुल पाँच, आंतरिक विकल्प वाले प्रश्न पूछे जाएंगे। इसमें टिप्पणी अथवा वस्तुगत प्रश्न नहीं पूछे जाएंगे।

प्रश्नपत्र-3 (A& B)

परीक्षा के लिए अ में से एक प्रश्न 15 अंक का पूछा जाएगा। आ में से -2 प्रश्न पूछे जाएंगे । उसी तरह इ एवं ई में से भी क्रमशः 1-1 प्रश्न पूछा जाएगा। इसमें टिप्पणी अथवा वस्तुगत प्रश्न नहीं पूछे जाएंगे।

- सभी प्रश्न आंतरिक विकल्प वाले हों।

प्रश्नपत्र-4

विद्यार्थियों को अ,आ,इ में जो सूचित है उसे परीक्षण के लिए प्रस्तुत करना होगा। यह प्रस्तुति कंप्यूटरिकृत हो।

इसके परीक्षण के लिए परीक्षकों को कम-से-कम प्रति प्रस्तुति 100/- का मानदेय मिले यह अपेक्षित है। बोर्ड के द्वारा यह मानदेय पारित हो तथा एकेडेमिक एवं सिंडिकेट तथा सेनेट मे भी इसे पारित किया जाए।